# मानवाधिकार शिक्षा - (Human rights Education)

का तात्पर्य

मानवाधिकार शिक्षा स्कूलों और शैक्षिक संस्थानों में मानव अधिकार के इतिहास, सिद्धांत और कानून के अध्यापन से है और सामान्य जनता के लिए पहुंच भी है।

⇒ मानवाधिकार शिक्षा, शिक्षा दुनिया में मानव अधिकारों की स्थिति को बदलने का आधार है लेकिन शिक्षकों को अपने पाठ्यक्रम में मानवअधिकारों को शामिल करने के लिए प्रभावी सामग्री और उपकरण की आवश्यकता होती है। शिक्षकों के महत्व को स्वीकार करते हुए यह मानवाधिकारों को वास्तविकता में लाने में मदद करता है और उन्हें सभी के दिमाग, हृदय और कार्यों में मौजूद बना देता है।

→ मानवाधिकार शिक्षा एक प्रतिभागी अभ्यास है। जिसका उद्देश्य अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त मानव अधिकार सिद्धान्तों के अनुरूप ज्ञान, कौशल और व्यवहार को बढ़ावा देने के माध्यम से व्यक्तिगत, समूह और समुदायों को सशक्त बनाना है।

→ मानवाधिकार शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान बाँटना, प्रशिक्षण और सूचना प्रदान करके मानव अधिकारों का एक सार्वभौमिक केंद्र बनाना, कौशल प्रदान करना व मानवाधिकारों के लिए सम्मान की सुदृढ़ता।

- मानव व्यक्तित्व का पूर्ण विकास और उसकी भावना व गरिमा का सम्मान।
- सभी देशों के मध्य समझदारी, सहिष्णुता, लैंगिक समानता और मित्रता का बढ़ावा देना।

Scanned with CamScanner

• लोकतांत्रिक समाज में प्रभावी रूप से भाग लेने के लिए सभी व्यक्तियों को सक्षम बनाना।

⇒ मानवाधिकार और शिक्षक शिक्षा :

मानवाधिकार हमेशा अन्य मूलभूत अधिकारों से जुड़ा हुआ है; जो सार्वभौमिक अनिवार्य, परस्पर सम्बन्धित और अन्योन्याश्रि है। मानवाधिकार शिक्षा, शिक्षकों को अपने कार्य करने और हर रोज जीवन में मानवाधिकार शिक्षा के महत्व को स्वीका ग्रहण करने में मदद करती है।

जैसा कि भारतीय शैक्षिक शैक्षणिक प्रणाली पर शिक्षा द्वारा अत्यन्त/अत्यधिक प्रभुत्व है। क्योंकि शिक्षण सीखने की प्रक्रिया का केन्द्र है। इसलिए शिक्षकों के पेशेवर शिक्षा को महत्व उचित महत्व दिया जाना चाहिए।

शिक्षक को मानव अधिकारों से भली-भांति सुसज्जित किया जाना चाहिए।

फ्रांसिस बेकन — "ज्ञान शक्ति है" का तात्पर्य है कि शिक्षण एक कला है जिसे गतिविधियों की अच्छी तरह तैयार श्रृंखला के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। यह जरूरी भी है इसलिए शिक्षा पर जोर दिया जाना चाहिए।

⇒ मानवाधिकार शिक्षा : [शिक्षक की भूमिका और उत्तरदायित्व]

शिक्षा अमर्त्य सेन द्वारा प्रस्तावित एक महत्वपूर्ण स्वतन्त्रता है, बुनियादी मानवाधिकारों के रूप में शिक्षा को सार्वभौमिक रूप से स्वीकार किया जाता है एवं सामाजिक गतिशीलता, समानता और सशक्तिकरण के लिए व व्यक्तिगत और सामूहिक स्तर के लिए शिक्षा सबसे सुदृढ़ माध्यम है

Scanned with CamScanner

अतः सभी के लिए शिक्षा, निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा, शिक्षा का अधिकार इन सभी प्रावधानों का मूल मानवाधिकार में निहित है।

इसलिए मानवाधिकारों के लिए शिक्षक शिक्षा में शिक्षा प्रणाली के सभी पहलुओं को शामिल किया जाना चाहिए। यह मानवीय मूल्यों, अधिकारों को बढ़ावा देता है।

⇒ पाठ्यवस्तु विवरण—

M.A. → 30 Credit
Research → 15 "

मानवाधिकार शिक्षा में मास्टर ऑफ़ आर्ट्स (एच आरई) (30) क्रेडिट के होते हैं। जिसमें शोध के लिए (15) क्रेडिट, वैकल्पिक शोध के (9) क्रेडिट और समापन परियोजना के (6) क्रेडिट शामिल हैं। सभी वर्गों के लिए ये 3 क्रेडिट बनाए गए हैं।

- शिक्षकों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मानव अधिकार कानून
- मानवाधिकार शिक्षा: शिक्षा शास्त्र और अभ्यास
- मानवाधिकार शिक्षा: इतिहास, दर्शन और मौजूदा बहस
- सामाजिक आन्दोलनों और मानव अधिकार
- मानवाधिकार प्रैक्टिस के लिए उपकरण
- लिंग एवं वैश्वीकरण
- भाषायी अधिकार और द्विभाषी शिक्षा
- बहुसांस्कृतिक शिक्षा
- शहरी विद्यालयी शिक्षा के महत्वपूर्ण विश्लेषण
- मानवाधिकार और मीडिया
- शैक्षिक अनुसंधान की कार्यप्रणाली
- फील्ड परियोजना

Scanned with CamScanner

Page:
Date:

⇒ मानवाधिकार अध्यापक- शिक्षण पाठ्यवस्तु की विधि-

- ब्रेनस्टॉर्मिंग विधि
- केसस्टडी "
- क्रिएटिव एक्सप्रेशन "
- वाद-विवाद और बातचीत "
- चर्चा पद्धति
- नाटकीकरण विधि
- फिल्म एवं वीडियो "
- खेल विधि
- साक्षात्कार विधि
- न्यूज़ल जनरल राइटिंग विधि
- शोध-परियोजना विधि

निष्कर्ष :

प्रत्येक राष्ट्र स्वयं में विविधता में समाहित है, इसलिए मानव अधिकारों ने विविधीकरण की प्रकृति भी दिखायी है। भारत के सन्दर्भ में, मानवाधिकारों का उल्लंघन सभी स्तरों पर चल रहा है, इसलिए शिक्षा के सभी स्तरों पर मानवाधिकार शिक्षा की व्यवस्था की जानी चाहिए। मानवाधिकारों की धारणा अब लोकतांत्रिक राष्ट्र की अवधारणा बन गयी है।

Scanned with CamScanner

CHAMUNDA
Page :
Date :

⇒ मानव अधिकार शिक्षा का इतिहास —

मानवाधिकार शिक्षा पर जोर सन् (१९४८) से शुरू हुआ, मानव अधिकार शिक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र दशकों की शुरुआत के साथ, यद्यपि पहले १९५३ में यूनेस्को एसोसिएटेड स्कूल कार्यक्रम के साथ संबोधित किया गया था, जिसने औपचारिक स्कूल व्यवस्था में मानव अधिकारों को सिखाने का प्रारंभिक कार्य के रूप में काम किया था।

→ मानव अधिकारों के बारे में छात्रों को शिक्षित करने की आवश्यकता के लिए पहला औपचारिक अनुरोध यूनेस्को के १९५४ लेख में अन्तर्राष्ट्रीय समझदारी, सहयोग एवं शांति के लिए शिक्षा और मानव अधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता से संबंधित शिक्षा के विषय में सिफारिश के बारे में बताया आया।

→ इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ द टीचिंग ऑफ ह्यूमन राइट्स के सदभागियों ने १९७८ में औपचारिक पाठ्यक्रम में शिक्षा के लिए क्या आवश्यक होगा के सम्बन्ध में एक विशिष्ट परिभाषा बनाने के लिए मुलाकात की। उद्देश्य जिसू पर कांग्रेस ने सहिष्णुता के प्रति सम्मान को ध्यान में रखते हुए, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आयामों के संदर्भ में मानव अधिकारों को ज्ञान के साथ-२ उनके क्रियान्वयन के साथ प्रोत्साहन पर सहमति व्यक्त की।

अंत में मानव अधिकारों के बारे में जागरूकता विकसित करना या राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक आधार प्रदान करना।

→ १९९३ में मानव अधिकारों पर विश्व सम्मेलन के बाद मानव अधिकार शिक्षा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक केंद्रीय चिंता बन गई है।

→ इस सम्मेलन ने कई देशों की प्राथमिकता सूची के शीर्ष पर औपचारिक रूप से शिक्षित करने

Scanned with CamScanner

मुद्दा उठाया और संयुक्त राष्ट्र के ध्यान में लगाया गया।

→ यह दो साल बाद समय था कि संयुक्त राष्ट्र ने मानवाधिकार शिक्षा के लिए दशकों को मंजूरी दे दी, जिसने एकबार फिर आवेदन के उद्देश्यों में सुधार किया।

→ संयुक्त राष्ट्र दशक विकास के बाद से औपचारिक स्कूल पाठ्यक्रम में मानवाधिकारों की शिक्षा का समावेश विकसित किया गया है और गैर सरकारी संगठनों, सरकारी संगठनों और औपचारिक शिक्षा के माध्यम से इस विषय को प्रसारित करने के लिए समर्पित व्यक्तियों की सहायता से विविध प्रकार से विकसित किया गया है।

→ प्रसिद्ध अंग्रेज दार्शनिक जॉन लॉक ने प्राकृतिक अधिकारों को महत्वपूर्ण बताया है जिनमें जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति के अधिकार प्रमुख हैं।

→ घोषणापत्र की पहली धारा में ही संयुक्त राष्ट्र के घोषित उद्देश्यों में एक मानवाधिकारों के लिए सम्मान बढ़ाने तथा प्रोत्साहित करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग तैयार करना बताया गया है। इसके अन्य उद्देश्य हैं —

- आन्तरिक शांति कायम रखना
- राष्ट्रों के मध्य मित्रतापूर्ण रिश्तों का विकास

→ घोषणापत्र की धारा 68 में कई आयोगों का प्रावधान है, जिनमें एक मानवाधिकारों को आगे बढ़ाने के लिए भी है।

Scanned with CamScanner

Date :

→ अंतिम विश्लेषण में कहा जा सकता है कि घोषणापत्र में निहित मानवाधिकारों को प्रोत्साहित करने का रास्ता इसके समर्थन में अधिक से अधिक जनमत बनाना है।

• "A New tool for learning, Action & Change."

• The right to Know your ~~Knowledge~~ Rights.

⇒ स्कूलों में मानवाधिकार शिक्षा —

कई स्कूल अपने पाठ्यक्रम के भाग के रूप में मानवअधिकारों की शिक्षा प्रदान करते हैं उदाहरण के लिए इतिहास, राजनीति और नागरिकता जैसे लिंक किए गए विषयों के लिए लेकिन उच्च विद्यालय के छात्रों के लिए इंटरनेशनल बैकलेहायरेट डिप्लोमा प्रोग्राम के भाग के रूप में मानवाधिकार की पेशकश के रूप में विशिष्ट/ विशेष पाठ्यक्रम भी है।

(उच्च विद्यालय)

• आई बी मानवाधिकार एक अकादमिक विषय है जिस पर इकाईयां हैं :

→ मानवाधिकारों के सिद्धांत

→ मानवाधिकारों का अभ्यास

→ समकालीन मानव अधिकारों के मुद्दे।

• पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने के लिए छात्रों को दो स्कूल वर्ष के लिए अध्ययन करना होगा, अंतिम परीक्षा होगी और एक course work का उत्पादन होगा।

Scanned with CamScanner

Page:
Date:

⇒ मानव अधिकार शिक्षा 21 वीं सदी में उपयोग करता है-

- विकास के लिए एक रणनीति के रूप में
- सशक्तिकरण के रूप में।
- ~~महलिअ~~ महिलाओं के अधिकारों के बदलाव का एक तरीका
- एक कानूनी संभावित और कानून प्रवर्तन के रूप में।
- सामाजिक परिवर्तन और मानव संवेदनशीलता के लिए एक कानूनी शिक्षा के रूप में।

⇒ मानवाधिकार शिक्षा मॉडल -

1. [मूल्य और जागरूकता] मूल्य और जागरूकता मॉडल
2. जबावदेही मॉडल
3. परिवर्तनकारी शिक्षा मॉडल

1. मूल्य और जागरूकता मॉडल दार्शनिक - ऐतिहासिक दृष्टिकोण के आधार पर मानव अधिकारों के मुद्दों के मूल ज्ञान और सार्वजनिक मूल्यों में इसके एकीकरण को बढ़ावा देने पर केन्द्रित है।

→ यह मॉडल आमतौर पर लोगों के बारे में क्या सोचता है, जब मानव अधिकार वैश्विक लक्ष्यों और अधिक सांस्कृतिक आधार भूत मामलों सहित विषयों के साथ अधिक जनता के लक्ष्यों दर्शकों के साथ चिंतित है।

(2) जवाबदेही मॉडल मानव अधिकारों के लिए कानूनी और राजनीतिक दृष्टिकोण से जुड़ा हुआ है, जिसमें शिक्षार्थी मॉडल जो पहले से पेशेवर भूमिकाओं के माध्यम से शामिल है।

→ मॉडल को प्रशिक्षण और नेटवर्किंग के माध्यम से शामिल किया गया है, जिसमें अदालत मामलों, नैतिकता के कोड और मीडिया से कैसे निपटना है जैसे विषयों को शामिल किया गया है।

(3) परिवर्तनकारी शिक्षा का यह मॉडल मानव अधिकारों के मनोवैज्ञानिक और सामाजिक पहलुओं पर केंद्रित है। जिन विषयों की यह मॉडल प्रभावी है, वे कमजोर आबादी और उन लोगों और व्यक्तियों जैसे कि महिलाओं और अल्पसंख्यकों के अनुभवों के साथ लोगों को शामिल करते हैं।

→ मॉडल का उद्देश्य व्यक्ति को सशक्त बनाना है।

---

a new learning tool

"Human Rights Education is all learning that develops the knowledge, skills & values of Human rights."

⇒ Human Rights Education teaches both about Human rights & for Human rights.

About Human rights | for Human rights

CBAKUNDA
Page :
Date :

✓ The ultimate goal of Human rights Education is people working together to bring about Human rights, Justice & dignity for all.

⇒ Education "about Human rights" provides people with information about Human rights.

⇒ Education "for Human rights helps people feel the importance of Human rights, internalize human rights values and integrate them into the way they live.

⇒ Who needs Human rights Education :-
Certain groups

- Administrators of Justice.
- Members of Legislature.
- " " Military
- Public officials, elected & appointed
- Educators.
- Social workers
- Health professionals
- Journalists
- Media representatives.
- Women's organizations.
- Minority groups
- Students at all levels of education.
- Migrant workers.

Scanned with CamScanner

Page:
Date:

# * Objectives of Human rights Education :-

(i) Enhance the Knowledge & understanding of Human rights.

(ii) Foster attitudes of tolerance, respect, solidarity & responsibility.

(iii) Develop awareness of How Human rights Can be translated into social & political reality.

(iv) Develop skills for protecting Human rights.

⇒ H. Rs. E & Curriculum

- Knowledge : Learning (about) Human rights:
- Skills : Learning (for) Human rights
- Attitudes : Learning (in) " "
- Values : Learning (through) " "

Importance of HRE

Scanned with CamScanner

- मानवाधिकार शिक्षा
- अर्थ, महत्व, परिभाषा
- आवश्यकता
- विशेषताएँ
- पाठ्यक्रम

→ मानवाधिकार शिक्षा से तात्पर्य उस शिक्षा से जिसमें मानव-अधिकारों से परिचित कराया जाता है।

→ मानवाधिकार-शिक्षा सामाजिक परिवर्तन एवं शांति स्थापना की दिशा में एक नयी मुहिम है।

"Human Rights Education is a new tool for Learning, Action & change."

"Human rights Education is much more than a Lesson in Schools or a theme for a day; it's a process to equip people with the tools, they need to Live Lives of security and Dignity."

— Kofi Annan

"मानवाधिकार शिक्षा एक शैक्षिक कार्यक्रम एवं क्रियाकलापों का नवसृजित रूप है जो मनुष्य प्रतिष्ठा/गौरव में समानता को बढ़ावा देने (प्रोत्साहित करने) पर ध्यान केन्द्रित करती है।

* सामान्य उद्देश्य :

1. मौलिक अधिकार एवं स्वतंत्रता के प्रति जागरूक बनाना,
2. मानव मूल्य एवं मानवीय गौरव के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना।
3. आत्मसम्मान एवं दूसरों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना।
4. सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना।
5. सामाजिक व्यवहार के प्रति नजरिया विकसित करना।
6. लिंग समानता सुनिश्चित करना।
7. सभी के समान अवसरों को सुनिश्चित करना।
8. राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मान, बोध, शान्ति को प्रोत्साहित करना या बढ़ावा देना।
9. विविधता में एकता के पाठ से अवगत कराना।
10. धार्मिक, भाषिक एवं सामुदायिक विकास करना।
11. विभिन्न धर्म, भाषा एवं समुदायों के प्रति सम्मान के लिए प्रोत्साहित करना। की भावना विकसित करना।
12. मानव को सशक्तिकरण बनाना।

राष्ट्रों & लोगों में

13. प्रजातंत्र, विकास, सामाजिक न्याय, सांप्रदायिक सामंजस्य, एकजुटता और सुदृढ़ता, दोस्ती को बढ़ावा देना।

Scanned with CamScanner

11. सार्वभौमिक मानवाधिकारों एवं मूल्यों की सूचना प्रदान एवं उपलब्ध करना।

⇒ "HRE विशिष्ट रूप से सामाजिक उद्देश्यों एवं आदर्शों पर केन्द्रित होती है, जो सभी मनुष्यों की प्रतिष्ठा पर ज़ोर देती है।"

⇒ "मानवाधिकार शिक्षा एक ऐसे समाज की स्थापना में सहयोग (योगदान) करती है, जो स्वतंत्रता, शांति एवं न्याय पर आधारित हो।" — Paul Martin, et al.

⇒ विपरीत परिस्थितियों एवं शांति स्थापना में HRE अपनी मुख्य भूमिका निभाती है।

⇒ मानवाधिकार शिक्षा सामाजिक परिवर्तन, सिद्धान्त, सामाजिक जीवन में प्रयोगात्मक अनुप्रयोग को परिवर्तित करने का एक नया यंत्र है।

⇒ बच्चों के लिए मानवाधिकार शिक्षा : Photocopy

⇒ ज्ञान, कुशलता एवं दृष्टिकोण एवं मूल्य

- ज्ञान → about → मानवाधिकारों के बारे में सीखना
- कुशलता → for → मानवाधिकारों के लिए सीखना
- दृष्टिकोण → in → मानवाधिकारों में सीखना
- मूल्य → through → मूल्य के through सीखना

⇒ मानवाधिकार शिक्षा की कार्यप्रणाली : Photocopy.

⇒ ✓ मानवाधिकार शिक्षा एवं शैक्षिक क्षेत्र –

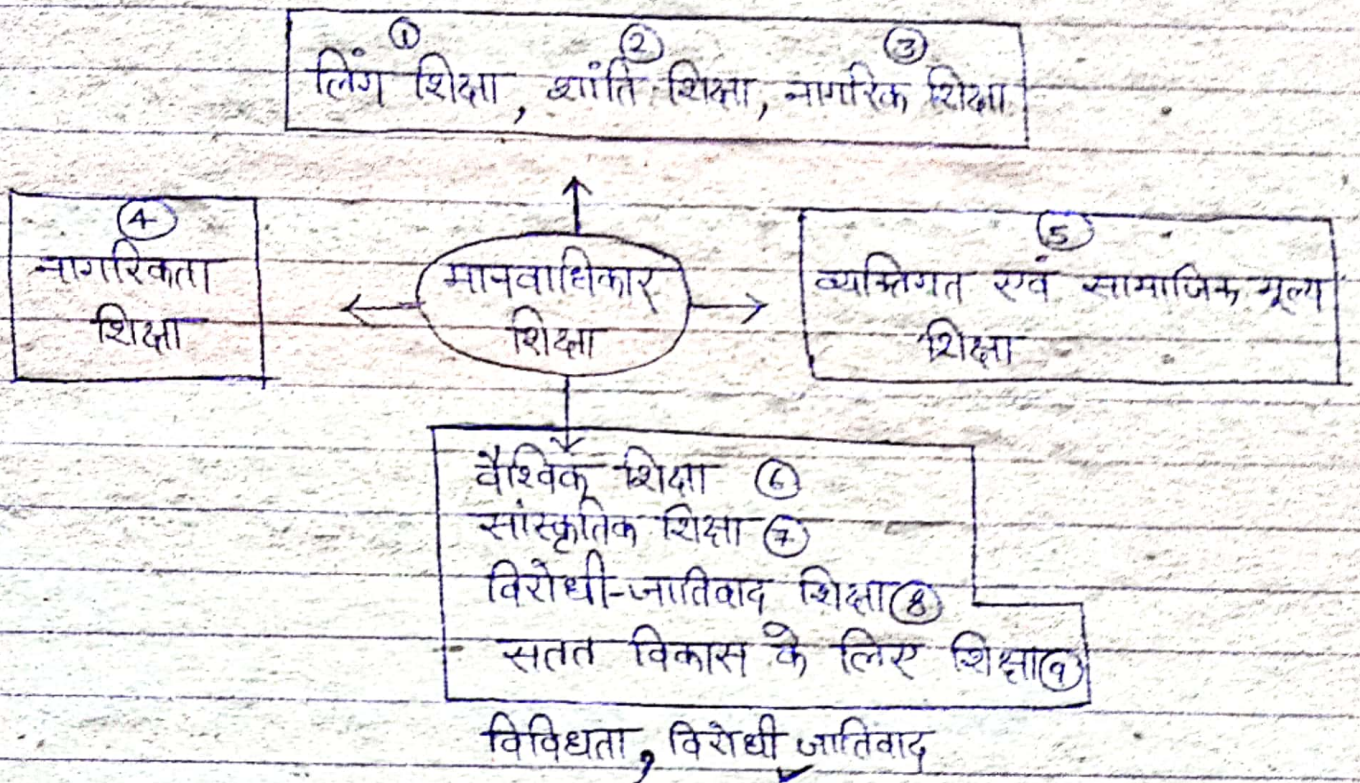




विविधता, विरोधी जातिवाद

* ✓ शैक्षिक क्षेत्र : (i) नागरिकता
(ii) प्रजातंत्र
(iii) भेदभाव
(iv) शिक्षा एवं अवकाश
(v) पर्यावरण
(vi) परिवार एवं वैकल्पिक केयर
(vii) लिंग समानता
(viii) स्वास्थ्य एवं कल्याण
(ix) सहभागिता
(x) शांति एवं मानव सुरक्षा
(xi) गरीबी और सामाजिक बहिष्कार
(xii) हिंसा
(xiii) मीडिया एवं इंटरनेट

Page :
Date :

## ⇒ अन्तर्राष्ट्रीय सन्दर्भ में मानवाधिकार शिक्षा –

## ⇒ मानवाधिकार शिक्षा क्यों ?

- मूल्य एवं दृष्टिकोण में परिवर्तन प्रतिपादित करने के लिए।
- व्यवहार में परिवर्तन " " " "
- सामाजिक न्याय के सशक्तिकरण बनाने के लिए।
- मुद्दे एवं राष्ट्रों के प्रति एकजुटता का दृष्टिकोण विकसित करने के लिए।
- ज्ञान एवं विश्लेषण सम्बन्धी कुशलताएँ विकसित करने के लिए।
- भागीदारी शिक्षा प्रतिपादित करने के लिए।

✓ * Curriculum Development (विभिन्न स्तरों पर)

↓

includes

↓

- Curriculum Planning — पाठ्यक्रम की योजना बनाना
- Formulation of Curriculum policy — " नीति का निर्माण करना
- implementation — क्रियान्वित
- Evaluation. — मूल्यांकन

- Formal, औपचारिक
- Informal, अनौपचारिक
- Hidden Curriculum छिपा